CCSEAS NEWSLETTER
中國與東南亞研究中心通訊

Volume 8
Issue 28
May-Aug
2021

Zhang Wei's Bestseller *Ancient Ship*《古船》translated into Hindi

INSIDE THIS ISSUE

Cover Story….1-2

Faculty …2-3

समकालीन चीनी लेखक चाङ वेई का शाहकार "पुराना जहाज़" 《古船》अब हिंदी में उपलब्ध हैं। अनुवाद चीनी विभाग के अध्यक्ष और प्रफ़ेसर बी आर दीपक ने किया है, इसे प्रकाशन संस्थान नई दिल्ली द्वारा छापा गया है। *पुराना जहाज़* चाङ वेई का पहला उपन्यास है। यह 1986 में प्रकाशित हुआ था और उसे "राष्ट्रीय इतिहास का भारी-भरकम अभिलेख" कहा जाने लगा। इस उपन्यास को नये युग में लम्बे साहित्यिक उपन्यास के क्षेत्र में अत्यंत महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों में गिना जाता है।

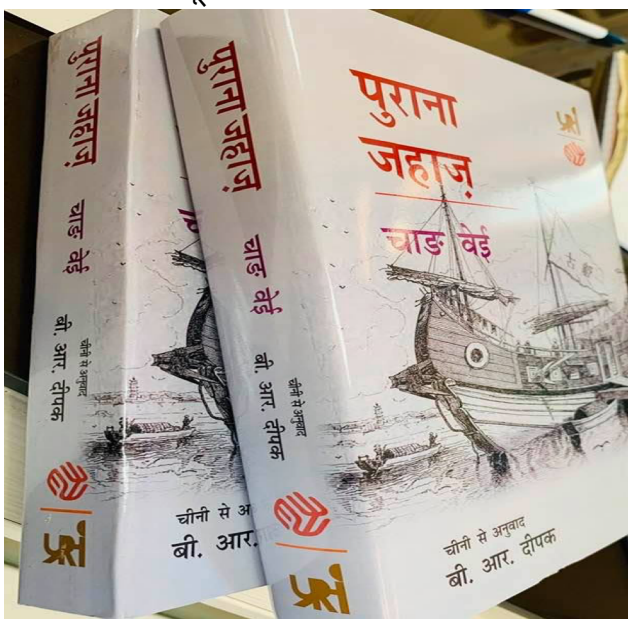

इसे च्वाङ चूङ साहित्यिक पुरस्कार, लोक साहित्य पुरस्कार और थाएवान के चिन शी-थाङ साहित्य का अत्यंत सम्मानजनक पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा उपन्यास को "सौ वर्षों में 100 सर्वश्रेष्ठ चीनी ग्रंथ" तथा "बीसवीं शताब्दी में सर्वश्रेष्ठ 100 चीनी उपन्यास" में शामिल किया गया था। इसे अंग्रेजी, फ्रांसीसी, जापानी, स्पेनिश, तुर्की आदि भाषाओं में छापा गया और इसने विश्व साहित्यिक मंच पर शानदार मुकाम हासिल किया।

उपन्यास में 1949 के चीन जन गणराज्य की स्थापना के बाद के चालीस वर्षों का इतिहास प्रस्तुत किया गया है जो अतीत, वर्तमान और भविष्य को एक साथ जोड़ता है। इसका कथानक लू छिङ नदी के आसपास के खंडहरों में कभी स्थित मूंगिया नूडल फ़ैक्टरी की गड़गड़ाहट करती चक्कियों के पीछे वाली कस्बे की कहानी, इतिहास पात्र, उनमें होने वाले परिवर्तन और उपन्यास में खानदानी और स्थानीय इतिहास के मद्देनजर चीनी क्रांति की पड़ताल की गई है; "भूमि सुधार," "लम्बी छलांग," "भीषण अकाल," "सांस्कृतिक क्रांति", "खुलेपन और सुधार" के दौरान लोगों के जीवन के उतार-चढ़ाव, मानव सम्बन्धों की जटिलताओं और व्यवहार के मनोविज्ञान की जीती-जागती तस्वीर पेश करता है। यह एक ऐसा दौर था जहाँ बदलाव की तेज़ आँधी के बीच लाखों लोगों को अति वामपंथ राजनीति और सामंतवादी शक्तियों की घोर यातनायें सहनी पड़ी थी। उपन्यास में मनुष्य के दुःख-दर्द सहने की क्षमता, जिजीविषा, सुंदर सपने सजोने और उन्हें यथार्थ में वदलने की इछाशक्ति को उजागर करने के साथ-साथ समाज में क्रूरता, बर्बरता, आत्यचार और भ्रष्टाचार पर चोट तथा इंसानियत को बचाने की वकालत की है। यह उपन्यास चीन के इतिहास, सभ्यता, संस्कृति और साहित्य में रुचि रखने वाले हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य पठन सामग्री है।

Editor:
Prof. B.R. Deepak

पुस्तक के संक्षिप परिचय से

यह उपन्यास स्वेई और चाओ परिवारों की आपसी दुश्मनी और प्रतिस्पर्धा पर आधारित है। दोनों खानदान "नवयुग" में शानतूङ के च्याओतूङ प्रायद्वीप में लूछिङ नदी किनारे स्थित वा-ली कस्बे की ग्लास-नूडल फैक्टरी के मालिकाना हक के लिये लड़ते रहते हैं। इसके कथानक में अंदरूनी उलझनें, प्यार और नफरत, स्वेई, चाओ, ली और शी परिवारों के उतार-चढ़ाव का ताना-बाना बुना गया है। ये सब पूरे पचास साल चलता रहा। उपन्यास में दिखाया गया है कि उस खास दौर में जब सुधार की लहर चली, तो उसे पूरे पुराने इलाके में कैसे लोगों की प्रकृति में बिगाड़ आया और कैसे बदलावों ने उनकी जिंदगी को प्रभावित किया। इसके अलावा उपन्यास में शहर की पुरानी दीवार की कल्पना और विचारों के उतार-चढ़ाव के जरिये चीन के इतिहास व संस्कृति की भी पड़ताल की गई है। इसके लिये "भूकम्प," "काली नदी," "पुराना जहाज़" जैसे प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया है, जो एक तरह से "इतिहास की धुरी" का काम करते हैं। वा-ली कस्बे में चीनी पारंपरिक संस्कृति और चीनी आधुनिक इतिहास के विभिन्न बदलावों के निशान मौजूद हैं। इस तरह उपन्यास में न सिर्फ चीन के ग्रामीण ताने-बाने में भारी बदलावों को पेश किया गया है, बल्कि स्थानीय नैतिकता, लोक ज्ञान और आधुनिकता के प्रति चिंताओं को भी व्यक्त किया गया है। लेखक ने बहुत गरहाई से इन सभी मुद्दों की पड़ताल की है। इसलिये, कहा जा सकता है कि इस उपन्यास में हर चीज को बहुत सूक्ष्म तरीके से दिखाया गया है।

उपन्यास का मुख्यपात्र स्वेई पाओ-फू है। उसे चाङ वेई के तमाम "विचारकों" में उसे अहम मुकाम हासिल है। कई वर्षों से किलानुमा मिल में बैठकर स्वेई पाओ-फू स्वर्ग पर सवाल, कम्यूनिस्ट मेनीफेस्टो और जलमार्ग जैसे ग्रंथों को पढ़ता रहा था। वह लोगों की पीड़ा, उनके दर्द और वाली कस्बे के लोगों में आये बदलावों पर सवाल उठाता रहता था। वह अपने और परिवार के पापों के बारे में सोचता रहता। इसके कारण उसकी सोच और उसका दुख गहरा होता गया तथा समय व दिक् से परे चला गया। काफी माथा-पच्ची करने के बाद, वह आखिरकार मानसिक जकड़न और बेडियों से आजाद हो जाता है, मूंगिया नूडल फैक्टरी का जनरल मैनेजर बनता है तथा कस्बे को अपनी पुरानी हैसियत वापस दिलाने की जिम्मेदारी उठा लेता है।

Faculty Publications

Books

1. Deepak, B. R. 2021. (Tr.) पुराना जहाज़ New Delhi: Prakashan Sansthan (2021) Hindi translation of Zhang Wei's . 1986 《古船》 Jinan: Shandong Education Press.
2. Deepak, B. R. 2021. India's China Dilemma: The lost equilibrium and widening asymmetries. New Delhi: Pentagon Press.

Media Articles

1. Deepak, B.R. "India's China Dilemma and the lost equilibrium." Centre on Asia and Globalisation, Lee Kuan Yew School of Public Policy, Singapore China-India Brief #185 June 26 2021 to July 28, 2021. https://lkyspp.nus.edu.sg/.../details/china-india-brief-185#
2. Deepak, B. R. "China's faction feud extends to the Wall Street." Sunday Guardian 18 July 2021. https://www.sundayguardianlive.com/opinion/chinas-faction-feud-extends-wall-street
3. Deepak, B. R. "A century through revolution, construction, reform and the new era." *China-India Dialogue*, June 30, 2021. http://chinaindiadialogue.com/a-century-through-revolution-construction-reform-and-the-new-era?
4. Deepak, B. R. "Chinese millenials take to lying flat."Sunday Guardian, July 4, 2021. https://www.sundayguardianlive.com/

opinion/chinese-millennials-take-lying-flat

5. Deepak, B, R. "It will not be easy to probe Covid 19 origin." " Sunday Guardian 12 June 2021. https://www.sundayguardianlive.com/opinion/will-not-easy-probing-covid-origin

6. Deepak, B. R. "China gloats over India's Covid-19 crisis" Sunday Guardian 8 May 2021. https://www.sundayguardianlive.com/opinion/china-gloats-indias-covid-19-crisis-2

CCSEAS

Phone: 91 11 26704240;

Telfax: 91 11 26704243

Mail: ccseassllcs@gmail.com

CCSEAS Newsletter is a bimonthly house magazine of the Centre for Chinese and Southeast Asian Studies, Jawaharlal Nehru University, New Delhi.

Centre for Chinese and Southeast Asian Studies, School of Language, Literature and Culture Studies, Jawaharlal Nehru University, New Delhi- 110067

http://www.inu.ac.in/SLLCS/CCSEA

Participation in conferences

Prof. B R Deepak

1. "Sinology in India: issues and challenges." Lecture delivered to a faculty development program organized by the University of Tezpur, Assam on 28 July 2021
2. "季羡林，文明对话和跨文化研究" (Ji Xianlin, Cultural Diualogue and Cross-Cultural Research) paper presented at an online international conference titled 季羡林先生与东方智慧——纪念季羡林诞辰 110 周年 (Ji Xianlin and the oriental wisdom: Commemorating 110th birth anniversary of Ji Xianlin) organised by the Institute of Chinese Culture and Ji Xianlin Association for Ji Xianlin Studies, Beijing 6 August 2021
3. "China's Rise: Opportunities and Challenges" paper presented at CIICE Global Conclave, Kathmandu, Nepal, organised by Nepal Institute for International Cooperation and Engagement on 25 June 2021.